# SIMBEX-2026 — 33वाँ संस्करण विशाखापत्तनम में

प्रकाशन तिथि: 22 अक्टूबर 2026

## परिचय

भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास **SIMBEX** का 33वाँ संस्करण विशाखापत्तनम में शुरू हुआ (द हिंदू, हिंदुस्तान टाइम्स)।

## प्रमुख तथ्य (स्थिर/प्रेस)

- SIMBEX = Singapore-India Maritime Bilateral Exercise; 1990 के दशक के मध्य से चलने वाला भारत का सबसे लंबा निरंतर द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों में से एक।
- अभ्यास सामान्यतः हार्बर और समुद्री (sea) दोनों चरणों में होता है — पेशेवर विमर्श, संयुक्त योजना और जटिल समुद्री युद्धाभ्यास।
- दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-प्रचालनीयता (interoperability) और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग का प्रमुख मंच।

## परीक्षा-उपयोगिता

भारत के नौसैनिक अभ्यास (SIMBEX, MALABAR, VARUNA, MILAN), हिंद-प्रशांत।

## प्रारंभिक परीक्षा शैली: अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न 1. SIMBEX भारत और किस देश के बीच का अभ्यास है?**

(a) ऑस्ट्रेलिया

(b) सिंगापुर

(c) इंडोनेशिया

(d) वियतनाम

▶ उत्तर और कारण देखें

**प्रश्न 2. SIMBEX-2026 का 33वाँ संस्करण कहाँ शुरू हुआ?**

PCSMANTRA.COM

(a) कोच्चि

(b) विशाखापत्तनम

(c) चेन्नई

(d) पोर्ट ब्लेयर

▶ उत्तर और कारण देखें

**प्रश्न 3. SIMBEX किस सेवा से जुड़ा है?**

(a) सेना

(b) वायुसेना

(c) नौसेना

(d) तटरक्षक

▶ उत्तर और कारण देखें

## संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

SIMBEX को भारत के नौसैनिक सहयोग के व्यापक जाल में देखना उपयोगी है। भारत की बड़ी नौसैनिक अभ्यास-शृंखला में SIMBEX (सिंगापुर), VARUNA (फ्रांस) और JIMEX (जापान) द्विपक्षीय हैं, जबकि MALABAR (भारत-अमेरिका-जापान-ऑस्ट्रेलिया) और MILAN (मेजबान भारत; कई देश) बहुपक्षीय। इनमें SIMBEX की विशेषता इसकी निरंतरता है — 1990 के दशक के मध्य से बिना रुके चलना दोनों देशों के रणनीतिक विश्वास की गहराई दर्शाता है।

स्थल का महत्व: विशाखापत्तनम भारतीय नौसेना के पूर्वी नौसैनिक कमान का मुख्यालय है और बंगाल की खाड़ी में भारत का सबसे महत्वपूर्ण नौसैनिक ठिकाना। सिंगापुर मलक्का जलसंधि के मुहाने पर बसा है — विश्व व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी गलियारे से गुजरता है, इसलिए भारत-सिंगापुर समुद्री-सहयोग की भू-रणनीतिक अहमियत सीधी है।

अभ्यास की दो-चरणीय संरचना भी परीक्षा में पूछी जा सकती है: हार्बर चरण में पेशेवर विमर्श, योजना और सामाजिक-कूटनीतिक गतिविधियाँ होती हैं; समुद्री चरण में वास्तविक युद्ध-परिदृश्य — हवाई, सतही और पनडुब्बी-विरोधी कार्रवाई का संयुक्त अभ्यास। इससे जो "अंतर-प्रचालनीयता" (interoperability) बनती है, उसका अर्थ है कि दोनों नौसेनाएँ जरूरत पड़ने पर एक ही संचार-प्रोटोकॉल, संकेत-प्रणाली और रणनीति-समन्वय के साथ मिलकर काम कर सकें। हिंद-प्रशांत में स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था की भारत की नीति में इस तरह के अभ्यास उसी दिशा के व्यावहारिक कदम हैं।

## स्रोत

- द हिंदू (22 अक्टूबर 2026): https://www.thehindu.com/news/cities/Visakhapatnam/33rd-edition-of-simbex-2026-commences-in-visakhapatnam/article71608402.ece

PCSMANTRA.COM